



■ प्रधानमंत्री नोटी
ने कहा- सोमानाथ
मंत्रियों अदरन्य
भावना का प्रतीक
11 को करेंगे दौड़ा-12



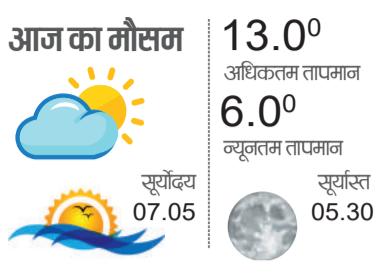
■ एफएआई ने
कहा- देश का यूटिया
आयत दोगुना
होकर 71.7 लाख
टन पहुंचा-12



■ रस तेल आयत
को लेकर ट्रंप
की भारत को
थुलक बढ़ाने की
चेतावनी-13



■ हॉकी लीग से
खुद को फिर
सावित करना
चाहते हैं हरजीत
सिंह-14



आज का मौसम
13.0°
अधिकतम तापमान
6.00
न्यूनतम तापमान
07.05
सूर्योदय
05.30
सूर्यास्त

अमृत विचार

| बरेली |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बदेली ■ कानपुर
■ गुरुदाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मंगलवार, 6 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 43, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

अंतिम संस्कार में शामिल होने आते
समय मां और बेटे की गई जान



■ द्रूक ने बाइक में मारी थी टक्कर
इलाज के दौरान तोड़ा दम

राज्य ब्लूरा, लखनऊ |

अमृत विचार: नानी के अंतिम संस्कार में मां के साथ शामिल होने आ रहे युवक की बाइक में बैकाबूट्रक ने टक्कर कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ने मैटिकल करिंज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हरदोई जिले के थाना पचदेवरा

के गांव देविनापुर निवासी सुनीता

(45) का मायका जलालाबाद

थाना क्षेत्र के गांव अकोरा में है।

रविवार सुबह उनकी चाची की

बीमारी से मृत्यु हो गई थी। वह

बेटे गोविंद (21) के साथ रविवार

कॉलेज भेज दिया। रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

थाना की पुलिस मौके पर पहुंची

और घायल मां-बेटे को मैटिकल

भराई हो गई थी। शादी को लेकर

घर में पहले से तैयारी चल रही थी।

रविवार की

दोपहर को बाइक से अकोरा गांव

के लिए आ रही थी। हरदोई रोडे

पर पचदेवरा गांव के सामने द्रूक ने

बाइक को टक्कर मार दी, जिससे

मां-बेटे घायल हो गए। पचदेवरा

पशु चिकित्सक सीखेंगे नई तकनीक
बरेली, अमृत विचार : भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईआईआईआई) में सोमवार को मेघालय और सिविकम के पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए उन्नत निवान तकनीक, पशु शल्य चिकित्सा और डायग्नोस्टिक इमेजिंग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुरूआत दिया गया। प्रशिक्षण से संबंधित एक संदर्भ संकलन (कॉर्पोडम) का भी विचार किया गया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एवं संयुक्त निदेशक डॉ. रूपसी तिवारी ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और अधिकारियों की तकनीकी दक्षता में सुधार करने में सहायक होते हैं। कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के साथ औरिया एवं कई अन्य राज्य सरकारों अपने पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए ऐसे प्रशिक्षण प्रयोजित कर रहे हैं।

चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. किरन जीत सिंह ने बताया कि प्रतियागियों को सौंधारने के लिए एक व्यावहारिक दोनों पहलुओं से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कमाल! लक्ष्य से ज्यादा खरीदा धान

इस सत्र में पूरे मंडल में धान खरीद के मामले में बरेली टॉप पर बना रहा

महिला गंगवार, बरेली

अमृत विचार : मंडल में इस वार धान खरीद में बरेली ने कमाल कर दिया। लक्ष्य से ज्यादा धान खरीद लिया एक अक्टूबर ते से शुरू हुई धान खरीद 31 जनवरी तक चलनी थी, लेकिन एक महीने पहले ही लक्ष्य हो गया। इसे अक्सरों की मेनान तक कहें या किसानों की मेनान तक कहें या किसानों की आमद बनी ही।

आंकड़ों के अनुसार बरेली

125 फीसदी खरीद के साथ पहले, 98.70 प्रतिशत

खरीद के साथ बदायूं दूसरे, 91.70 फीसदी खरीद के साथ

पहले, 80.44 प्रतिशत धान खरीद के साथ पीलीभीत चौथे

स्थान पर रहा। शासन ने इस वार सनाना नहीं रहा। केंद्रों पर

किसानों की आमद बनी ही।

आंकड़ों के अनुसार बरेली

125 फीसदी खरीद के साथ

पहले, 98.70 प्रतिशत

खरीद के साथ बदायूं दूसरे, 91.70 फीसदी खरीद के साथ

पहले, 80.44 प्रतिशत धान खरीद के साथ पीलीभीत चौथे

स्थान पर रहा। शासन ने इस वार बरेली को 1.32 लाख

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

• एक महीने पहले पूरा हो गया

लक्ष्य, 125 फीसदी हुई

खरीद

• खरीद में बदायूं दूसरे

शाहजहानपुर और

पीलीभीत चौथे नवर पर



• अमृत विचार

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

की तुलने पर तुलने व शरद व शरण व जिला खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

सरकारी केंद्रों पर धान बेचना

में लगी धान की बोरियां।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खरीद के लिए छाँसीयों

को तुलने पर रहा। शासन

के कुल 140 केंद्र खोले गए थे।

मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य अक्टूबर बताते हैं कि इसमें सबसे

दिया था। जिसके मुकाबले 1.59

लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

हुई, जो लगभग 125 प्रतिशत

धान खर

जायज चिंता

भारतीय वायुसेना प्रमुख द्वारा लड़ाकू विमानों की कमी को लेकर दोबारा जारी गई चिंता, एक ठोस रणनीतिक यथार्थ का प्रतिबिंब है। आज भारतीय वायुसेना के पास मात्र 29 लड़ाकू स्क्वाइन में 600 विमान बचे हैं, जबकि अधिकृत आवश्यकता कम से कम 42 स्क्वाइनों की है। यह अंतर भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संभावित दो-मोर्चों के संघर्ष की आशका के महेनजर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर रणनीतिक प्रश्न है। यह स्थिति और जटिल होगी, क्योंकि आनंद वाले वर्षों में तमाम पुराने विमानों की विवार्दि तय है। मिंग-21 अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुका है और जग्यार के साथ स्क्वाइन 2027 के बाद चरणबद्ध रूप से रिटायर हो जाएंगे, उपर से इनकी दुर्घटनाएं भी आए दिन बढ़ रही हैं। इससे स्क्वाइन संख्या और घटेगी। पांचवीं पाँची के स्वदेशी स्टील्फ फाइटर के लिए एम्सीए कार्यक्रम शुरू हो चुका है, लेकिन पहले विमान 2035 से पहले मिलने की उम्मीद नहीं है। यानी अगले एक दशक तक एक स्पॉट 'क्षमता अंतराल' बना रहेगा। इस गैप को भरने के लिए वायुसेना के सामने तीन व्यावहारिक रास्ते हैं—स्वदेशी उत्पादन को तेज़ करना, सीमित अवधि के लिए विदेशी खरीद और बल संरचना में स्मार्ट टेक्नोलॉजी का समावेश।

1996 में 41 स्क्वाइन से आज 29 तक की गिरावट इस बात की याद दिलाती है कि सुस्त और जटिल खरीद प्रक्रियाएं किन्तु महंगी पड़ सकती हैं। जूरी ही लड़ाकू विमानों की जल्द खरीद और स्वदेशी का फाइटर जेट्स का शीर्ष समावेश। विदेशी विकल्पों के तौर पर रूस के स्टेटफ फाइटर सुरोई-57 फेलोन, जिसमें किंजल जूड़ी हाइपरसोनिक मिसाइल के इंटीग्रेशन की बाही जाती है, एक संभावित 'रेस्कू पैकेज' कहा जाता है, तो अमेरिका का एफ-35 भी होड़ में है, हालांकि उससे रिटायर होने की उम्मीद नहीं है। इन सौदों की बात ही क्या, जब 114 रॉफल जेट्स की प्रस्तावित खरीद लंबे समय से अटकी हुई है। स्वदेशी मोर्चे पर तेजस एमके-1 विमान संख्या की ताक़ालिक कमी को आंशिक रूप से भर सकता है, पर इसका उत्पादन अत्यंत थीमा है, हालांकि एयरबोन र्सर्विंग्स, प्लेटफॉर्म, डीआरडीओ के नेत्र सिस्टम और ड्रोन वारफेरय—स्वार्म, लोटरिंग और सर्विलांस ड्रोन इत्यादि में निवेश बढ़ रहा है। उत्तरी सीमाओं, द्वीप क्षेत्रों और रणनीतिक टिकानों को डबल कवर देने के लिए एकोकूट एयर डिफेंस नेटवर्क पर काम जारी है, लेकिन अभी काफी दूरी तय करनी बाकी है। वायुरक्षा प्राणीली एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी? जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम और मल्टी-रोल फाइटर

जेट्स का एस-एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क

देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का किलत्वे के तक तेज़ नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सबाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी?

जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्फ-स्क्षम औ

ॐ

बोधकथा

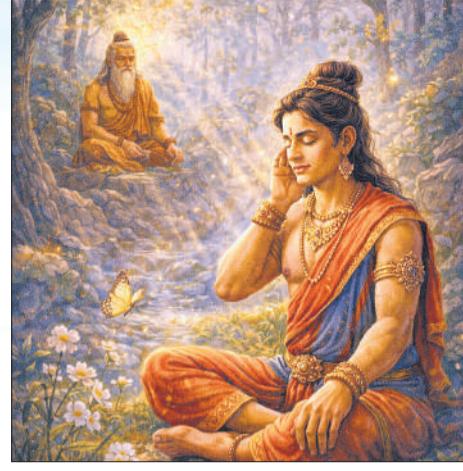
सुनने का महत्व

एक वर्ष तक वनवास का जीवन जीने के बाद युवराज का मन अपने राज्य लौटने को व्याकुल हो उठा। उसे लगता था कि अब वह बहुत कुछ सीख चुका है, परंतु गुरु की आज्ञा के आगे उसका आग्रह ठहर नहीं सका। विवश होकर वह किर से उसी घंटे जंगल की ओर चल पड़ा, जहां मौन ही सबसे बड़ा गुरु था। दिन बीतते गए। वृत्तों की सरसराहट, पक्षियों की चाह चहाहाहट और बहती हवा की आवाजें उसे पहले जैसी ही प्रतीत होती रहीं। कोई नवीन अनुभव नहीं, कोई नई अनुशृणुति नहीं। युवराज के मन में बेचैनी घर करने लगी। क्या यही वह शिक्षा थी, जिसके लिए उसे फिर बन में भेजा गया था?

एक दिन उसने ठान लिया कि अब वह केवल कानों से नहीं, मन से सुना। उसने अपने भीतर के शरों को शांत किया और हर ध्वनि को पूरे ध्यान से ग्रहण करने लगा। तभी एक सुबह, जब जंगल अभी नींद से जाग ही रहा था, उसे कुछ अज्ञात-सी, अत्यन्त सूक्ष्म आवाजें सुनाई देने लगीं। ये आवाजें कानों से अधिक आत्मा में उत्तरी चतुर्थी गीह। समय के साथ उसकी संवेदनशीलता बढ़ी गई। अब उसे कलियों के खिलने की मुक्त ध्वनि सुनाई देने में, माझे कुछ नया नहीं मिला, लेकिन जिस दिन मैं ध्यान से सुना सीखा, उस दिन मुझे वह शब्द सुनाई देने लगा जो शब्दों में नहीं था।

गुरु मुख्यराएं और बोले, "यही शिक्षा है, जो शासक अनकहीं पीढ़ी को सुन ले, बिना बोले भावनाएं समझ ले, वही सच्चा राजा होता है। अनसुनी आवाजों को सुनने की क्षमता ही जनविश्वास की नींव है।" इससे हमको शिक्षा मिलती है कि सच्चा नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवेदनशील राग की तह अप्रतीत होने लगी। तितलियों की उड़ान में सुनने से जन्म लेता है, जो अनकहीं को सुन ले, वही लोगों के दिलों पर राज करता है।

- पंकज शर्मा



महत्वपूर्ण व्रत

सकट चौथ

दिनांक - 6 जनवरी
पूजा का मुहूर्त- रात 8.54 बजे
धर्मशास्त्रों में उल्लेखित सकट चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है। कई भक्त निर्जल उपवास करते हैं, जबकि कुछ फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके लिए सुबह खाना करने के स्वच्छ वस्त्र पहनने और द्रव्य का संकल्प ले। दिन भर भगवान गणेश का स्मरण करें। शाम को विधिवत पूजन के बाद चंद्र दर्शन करें और दूध, जल से अर्च दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। निर्जल व्रत कठिन लगे तो फल, दूध या अन्य हल्का सात्विक भोजन ले सकते हैं, लेकिन नमक से परहेज करना चाहिए।



डॉ. प्रदीप दिवेदी 'राजा'

आध्यात्मिक लेखक

अधिकमास का साल



डॉ. प्रदीप दिवेदी 'राजा'

आध्यात्मिक लेखक

हिंदी पंचांग के अनुसार 2026 अधिकमास वाला साल है। अधिकमास में आठ साल बाद दो ज्येष्ठ माह होंगे, जबकि पिछली बार अधिकमास में दो सावन पड़ थे। इस तरह यह साल 13 माह का रहेगा। इसमें पिछले साल की तुलना में ज्यादातर त्योहारों में बदलाव दिखेगा।

इस साल शुरुआत के छह महीने में त्योहार पिछले साल की तुलना में 10 दिन पहले पड़ेंगे और अगले छह महीने में त्योहार 16 से 19 दिन की दरी से पड़ेंगे। इसलिए, इस बार होली 10 दिन पहले चार मार्च को पड़ेगी अर्थात् चार मार्च और दीपावली पिछले साल से 17 दिन दरी से यानी आठ नवंबर को मनाई जाएगी। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। ज्योतिशीय गणना के अनुसार अधिकमास एक अतिरिक्त चंद्र माह होता है, जो हर तीन साल में सौर कैलेंडर में जोड़ा जाता है। जिस तरह अंग्रेजी कैलेंडर में लीप इयर होता है, उसी तरह पंचांग में अधिकमास होता है। सौर वर्ष 365 दिन और चंद्र वर्ष 364 दिनों का होता है। ज्योतिष के आधार पर तीन वर्ष में चंद्र और सूर्य वर्ष के बीच आइन्हीं 11 दिनों के अंतर को खत्म करने के लिए तीन साल में एक बार एक अधिकमास आता है।

स्वास्थ्य के लिए वृद्धि

धर्म के प्रसाद अनुयायी थे। उनका आश्रम में पर्वत के शिखर पर स्थित था, जहां वे ब्रह्म-तत्त्व के ध्यान में लीन रहते थे। सुरों और असरों दोनों के मूल पुरुष के रूप में कश्यप मुनि का उल्लेख अनेक पुराणों में मिलता है। श्री नरसिंह पुराण के अनुसार, कश्यप ऋषि की पालन्यों से उत्पन्न मानस पुत्रों से ही सूर्य का विस्तार हुआ। इसी कारण के 'सूर्यिते के सुननकर्ता' कहलाए।

पुत्रों में उनकी कुल सत्रह पलियों का उल्लेख है, जिनमें से तीरह दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं। इन पलियों ने अपने अपने स्वभाव और गुणों के अनुरूप विभिन्न संतानों को जन्म दिया।

ऋषि की पली अदिति से बारह अदित्यों का जन्म हुआ, जिनमें भगवान विष्णु का वामन अदित्य भी समिलित है। यही अवतार मानव रूप में विष्णु का प्रथम अवतार माना जाता है, जिसे दक्षिण भारत में उपेन्द्र कहा गया। अदिति से हिरण्यकश्यप, हिरण्यक्ष और सिंहिका की भी जन्म हुआ। हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह ने और हिरण्यक्ष का वध वराह अवतार ने किया। दनु से दानवों की उत्पत्ति हुई, अरिष्टा से गर्वधर्म, सुभिंशु से गौवंश और विनाता से गरुड़ तथा अरुण का जन्म हुआ।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्यप

को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

गरुड विष्णु के बाहन बने और अरुण सूर्योदय के सारथी। क्रोधवधु से हिंसक

जीवों तथा कृष्ण से नाशंका की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश



टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रश्न का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने की मिल सकता है। सहस्र और आकामक स्तर के बिना नारों खेल में और नांगी जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

-वीरेन्द्र सहवाग

हाईलाइट

नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफ़ ट्यूर नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ एक दशक पूर्णा रिश्ता तोड़ दिया है और अब वह अपनी खिलाड़ी प्रबंधन फर्म बैल स्पोर्ट्स शुरू करेंगे। चोपड़ा 2016 में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से जुड़े थे। 27 वर्ष के चोपड़ा ने अपनी खिलाड़ी के लिए एक दशक से समारोह सफर विकास विश्वास और उपलब्धियों से भरा रहा है। मेरे कैरियर में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की अद्भुत भूमिका रही है और उसे रहने योग्य और दृष्टिकोण के लिये मैं हमेशा आभारी रहूँगा। उन्होंने कहा इस अंदाज़ा को खेल करने के साथ मैं उन्हीं मूल्यों को अपने सफर के अंग में ले रहा हूँ।



ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदारी पारी के बाद पैवेलियन लॉटे ट्रेविस हेड।

सिडनी, एजेंसी

जो रूट के मौजूदा एशेज श्रृंखला के दूसरे शतक से इंग्लैंड ने पाचवे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बड़ा स्कोर बनाया लेकिन ट्रॉफी हेड की आकामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में शानदार शुरुआत की। रूट की 160 रन की पारी के बदलौर इंग्लैंड की पहली पारी चाय के विश्राम से पहले 384 रन पर सिमटी गयी। यह ऑस्ट्रेलिया में रूट का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है।

दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 166 रन बना लिए थे। हेड 87 गेंद में 91 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। वह पांच मैचों की श्रृंखला में अपने तीसरे शतक से



शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जो रूट।

एजेंसी

देकर लौटे। नेसरे ने 60 रन देकर चार विकेट चटकाए। रूट ने अपनी पारी में 15 चौके जड़े। उन्होंने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर 41वां शतक पूरा करने के बाद उसी अंदाज में जेश मनाया। जिस तरह उन्होंने इस दौरे के समर्थन मिला है और हम एक समूह

के रूप में अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए हैं, लेकिन यह समर्थन कभी कम नहीं हुआ। इस तरह का जेश वास्तव में धैर्यवाद कहने का एक तरीका है। रूट ने इसके साथ टेस्ट में संवाधिक शतकों के मामले में रिकी पोटिंग के बरबारी के लिए। उनसे ज्यादा शतक सहित टेलुकर (51) और जैक कालिस (45) के नाम हैं।

रूट ने इस दौरे ने ब्रूक के साथ 169 रन की साझेदारी की। ब्रूक 84 रन बनाकर स्कॉट बोल्ड की गेंद पर स्ट्रीट स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे। मिचल स्टार्क (93 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बैन स्टोक्स (शून्य) को श्रृंखला में पांचवीं बार चलता किया।

बांग्लादेश ने अब आईपीएल प्रसारण पर लगाया प्रतिबंध मुस्तफिजुर को केकेआर से निकाला जाना बर्दाश्त नहीं हो रहा

दाका, एजेंसी



कहा-देश के लोग हैं निराश और आहत

सरकारी अधिकारी ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किए जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आई पिरावट के बाद इस टी-20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया।

मोहम्मद यूनुस की अंतर्रिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई 'तार्किक कारण' नहीं बताया।

आईपीएल के आगामी सत्र का आगाज 26 मार्च से होगा। आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का यह कदम बांग्लादेश द्वारा मनोरोध के एक दिन बाद आया है।

आगामी सत्र के अंतर्गत अनुरोध के एक दिन बाद आया है।

मानोरोध के